>

Title: Regarding increase of Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Deputy-Speaker, Sir....(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): उपाध्यक्ष महोदय, आप पहले हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): उपाध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने ज़ीरो आवर में मामला उठाया था।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : महोदय, मैं आपके माध्यम से बड़े विनम्रतापूर्वक सरकार को बताना चाहता हूं कि मैम्बर्स की सैलरी या सुविधा के मामले में पार्लियामैंट की ज्वाइंट कमेटी है और वह गहन छानबीन करने के बाद समय-समय पर सारे हालात को ध्यान में रखते हुए सरकार को अपनी रिपोर्ट देती है। सरकार को बहुत पहले रिपोर्ट प्राप्त हुई। हमने इससे पहले भी इस सवाल को उठाया था कि आप अपनी मंशा साफ कीजिए। यह पूरे इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में है और हाई-फाई लोग हमारे सिस्टम को, लोकतंत्र को पार्लियामैंट के सारे एमपीज़ को बड़ी चतुराई से लीक करवाकर सरकारी पक्ष से सारे लोगों को कहा जाता है कि ये लोग...(व्यवधान) यह भी कहा जाता है कि ये काम नहीं करते हैं। इनकी सैलरी बढ़नी चाहिए या नहीं, इनकी चिन्ता आम आदमी तक चली जाती है। ये सत्ता पक्ष और बाहर बैठे वे लोग हैं जिनके गेट पर यदि आम आदमी या कोई भी एमपी जाए तो गेट पर लिखा होता है - कुत्ते से सावधान। जो लोग कुत्ते के साथ सैर करते हैं, कुत्ते के साथ लेट भी जाते हैं, कुत्ते के साथ किस करते हैं, उनकी चिन्ता इस सिस्टम को...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय लालू जी, आपको कैसे जानकारी हुई।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान) हमें नीचा दिखाने के लिए यह कहा जा रहा है।...(व्यवधान) हमने रात को भी एक *इलैक्ट्रॉनिक* मीडिया से पूछा कि आपकी तनख्वाह कितनी है, आपके एडीटर साहब की तनख्वाह कितनी है या विदेशों में मंत्री जी सैर करते हैं, मैं नाम नहीं लेना चाहता, लोक सभा के एमपीज़ को अपनी तकलीफ मालूम है। लोगों को रोज सैंकड़ों कप चाय पिलानी पड़ती है, उन्हें खाना खिलाना पड़ता है। हमें जो मकान मिला हुआ है, उसमें लोगों को हम आश्रम की तरह रखते हैं।...(व्यवधान) उनके इलाज का पैसा देना पड़ता है, चिट्ठी लिखनी पड़ती है और वापिस जाने के लिए उन्हें रेल का भाड़ा भी देना पड़ता है। ये पूछते हैं कि सैलरी क्यों बढ़े। जिनके पैर न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई, यह हमारी हालत है। जिसे लालू यादव का जितना क्रिटिसिज़्म करना है, वह करे। पैसा और कमेटी हमारे लिए नहीं है, हम अपनी कौन्सटीटूंसी और देश की जनता के लिए कह रहे हैं। टेलीफोन से लेकर जो सुविधा है, अगर हम दिल्ली से लौटा देते हैं तो हमें उसका खामियाजा भोगना पड़ता है। ऐसा कहा गया है कि एमपी पब्लिक सर्वेंट है। ऑफिस ऑफ प्रॉफिट से भी हटाया गया, आपको याद होगा। हमें सीक्रेट एक्ट में भी डाला गया। मैं जानता हूं स्विस बैंक में किनका पैसा है।

उनका चरित्र क्या है, यह मैं अभी नहीं बताना चाहता। चारों तरफ से एक साजिश के तहत कि इस समय बताने का वक्त नहीं है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : लालू जी, आप संक्षेप में बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, हमने माननीय अध्यक्ष जी से प्रार्थना करके इस पर बोलने के लिए टाइम मांगा था। हाउस चले, यही नहीं, आप समझिये कि आदमी को कम्पेल किया जाता है कि एमपी हाथ फैलाये। अब हमारी क्या सैलरी है? एक जूनियर क्लर्क से भी नीचे हमारी सैलरी है। ...(व्यवधान)

सिक्स्थ पे कमीशन के पन्नों को उलटकर देखा जाये। प्रणब बाबू, उन पन्नों को उलट कर देखें, उससे भी हम नीचे हैं। हमारी सर्विस क्या है? हमारा पांच साल का कार्यकाल है, बीच में भी जा सकते हैं, जबकि हम 24 घंटे ऑन ड्यूटी हैं। मैं किसी के ऊपर ज्यादा टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहता। हम यह कहना चाहते हैं कि जिनको कोई मतलब नहीं है। जो...(व्यवधान) * लोग दिल्ली में बैठे हैं और बैठकर हमारी तकदीर को लिखते हैं, सिस्टम को बोलते हैं कि वह करप्ट हो गया है। ...(व्यवधान) मैं बताना चाहता हूं कि एक टाइम आयेगा जब इस लोक सभा और एमपीज को अपमानित करने वाले लोग...(व्यवधान) *...(व्यवधान) लोकतंत्र है तब हम हैं। हम लोकतंत्र के प्रहरी हैं। जो लोग राज्य सभा का मैम्बर बनने के लिए चक्कर लगाते रहते हैं, वे क्या जानेंगे? ...(व्यवधान) *...(व्यवधान) मुझे प्रणब बाबू की नीयत पर शक नहीं है, यह मैं साफ-साफ बताना चाहता हूं। सब लोगों ने क्या किया है? हम लोगों को अपमानित किया है। इन सब लोगों का फार्म हाउस है। यहां पर उनकी अरबों-करोड़ों रुपये की कोठियां हैं...(व्यवधान) *...(व्यवधान) अब सबका नहीं है लेकिन है। इसलिए यह दिखा रहे हैं कि भाई, लोग क्या कहेंगे? आम लोगों के हम नुमाइंदे हैं। अब आतिशबाजी से लेकर शादी-विवाह पर किस तरह से खर्चा करते हैं, यह सबको पता है। वे फाइव स्टार होटल में रहते हैं।...(व्यवधान) *अगर उनको चिन्ता है, तो अपने घर की सम्पति से, तनख्वाह से हमारे खजाने का पैसा, आम आदमी का पैसा लौटाओ। ...(व्यवधान) हमें नहीं चाहिए। ...(व्यवधान) हम एमपीज को नहीं चाहिए। ...(व्यवधान) मैं आपको बताना चाहता हूं। ...(व्यवधान) हम लोगों की बात पहले सुनी जाये। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : इसलिए जो हुआ है, वह हम लोगों को मालूम है। अब कौन-कौन लोग हैं, हम ये सब बातें यहां बताना नहीं चाहते, क्योंकि लोगों को तकलीफ होगी। ...(व्यवधान) हम लोगों को कहा गया था, जब से लोक सभा का गठन हुआ है, उस डेट से हम देंगे। यही विश्वास करके हम चल रहे थे। हम समझ रहे हैं कि धीरे-धीरे घालमेल करके कि देखा जा रहा है, सुना जा रहा है, विचार किया जा रहा है। ये हम लोगों को अपमानित भी करवा रहे हैं। सब दल के लोग तकलीफ में हैं। गोवा के एमएलए की तनख्वाह एक लाख रुपये है। आप सारी दुनिया में देख लीजिए कि किसको क्या मिलता है? आप बंगलादेश से लेकर सारी दुनिया में देख लीजिए। अब हमारी स्थिति क्या है? आज हम लोक सभा के मैम्बर हैं। हम शुभकामना देते हैं कि आप लोग एक्स मैम्बर मत होइये, लेकिन जो मैम्बर्स भूतपूर्व हो गये हैं, उनकी दशा को आप देखिये। वे किस तरह से बफरी लेकर आते हैं। उनको पेशाबखाने की बगल में भी जगह नहीं मिलती। उनकी यह स्थिति है, पिटी कंडीशन है। हमारे पूर्व स्पीकर साहब ने माना था कि सैंकड़ों एक्स एमपीज हमें चिट्ठी लिख रहे हैं कि हमारे पास इलाज कराने के लिए पैसा नहीं है। यह सच है, यथार्थ है। इसलिए यह लालू यादव की अनुशंसा नहीं है, मुलायम सिंह जी की नहीं है, बीजेपी की नहीं है, सारी कांग्रेस पार्टी का नहीं है। सभी पार्टीज के सिस्टम में आपने कमेटी बनायी और उस कमेटी ने अनुशंसा दी।

देश के कैबिनेट सेक्रेटरी को 80,000 रुपये, जो ब्यूरोक्रेट है उसे 90,000 रुपये और लंबी सर्विस मिलती है। ...(व्यवधान) * जो ब्यूरोक्रेट हैं, सिस्टम में हम उससे सुपीरियर हैं...(व्यवधान) यही हम लोगों ने कहा था कि प्रोटोकॉल के हिसाब से भी कैबिनेट सेक्रेटरी से एक रुपया अधिक हम लोगों को दिया जाए ताकि प्रोटोकॉल, गरिमा और सबकी प्रतिष्ठा बनी रहे। कमेटी ने जो अनुशंसा की, उसको 100 प्रतिशत स्वीकार कीजिए। इसमें आप जो तनख्वाह आप देंगे, उसका आधा पेंशन दीजिए, पेंशनर को भी मिले।

इसलिए आपसे प्रार्थना है, सरकार को सुझाव है, जो आपने माना था, उसे स्वीकार कीजिए जिससे लोगों में एफिशिएंसी आएगी, जनता के काम में लोग और जुटकर काम करेंगे। ...(व्यवधान) कैबिनेट में बैठे हुए कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं, ...(व्यवधान) * कहते हैं कि बदनामी होगी। देश और दुनिया में आपने भारत की बदनामी करा दी है। क्या-क्या हुआ। सारी बातों की यहां पर चर्चा हुई, अभी खेल के मामले में हुआ, उसके पहले आईपीएल के मामले में हुआ और जहां एमपी का सवाल आता है, तो कहते हैं कि बदनामी होगी। ...(व्यवधान) पेपर में छपेगा, बदनामी होगी। ...(व्यवधान) इसलिए इसको मानिए, स्वीकार करिए, हम दूसरे के डिक्टेशन पर नहीं हैं। इसमें टालमटोल मत कीजिए। इसको स्वीकार करिए, यही हमारी मांग है।...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Deputy-Speaker, Sir, in the morning, the hon. Members expressed their views and now Mr. Lalu Prasad has also articulated in his own inevitable manner the feelings of the Members of Parliament. The Government is fully aware of it.

As I have mentioned, we have received the recommendations of the Joint Parliamentary Committee (JPC), and the Government will take its view. As per the practice, it will be made effective from the beginning of the 15th Lok Sabha. Therefore, it will be done, and we will bring the legislation as early as possible and we will see â€¦ (*Interruptions*)

SHRI ADHALRAO PATIL SHIVAJI (SHIRUR): Why not today? ...(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Let me complete. ...(*Interruptions*)

As per the Members Salaries and Allowances Act of 1954, this is to be brought in as a piece of legislation to be approved by the Parliament through the amending rules. Therefore, a legislation is needed and we will try to bring the legislation in this Session itself. The Members need not be worried over it, but it is not possible for me to give the details before the decision has been taken by the Government.

There is a system how the Cabinet functions and all of you are fully aware of it. Therefore, it is not possible for me to state as to what would be the final outcome, but we are fully aware of the sensitivity of the issue and the recommendations of the JPC of the Members, Salaries and Allowances will get fully reflected in the decision taken by the Government. Thank you, Sir. ...(*Interruptions*)

श्री लालू प्रसाद : प्रणब बाबू, मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)

डॉ. तरुण मंडल (जयनगर) : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इनकी बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान)*

उपाध्यक्ष महोदय: आप कृपया बैठ जाएं। आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है।

...(व्यवधान) *

उपाध्यक्ष महोदय: लालू जी, अब आप क्या कहना चाहते हैं, वित्त मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। अब तो उन्हें धन्यवाद दे दीजिए।

श्री लालू प्रसाद : मैं माननीय प्रणब बाबू से आग्रह करना चाहता हूं कि यह ठीक है कि उन्होंने आश्वासन दिया है, लेकिन यह बात हमने बहुत बार सुनी है इसलिए इसमें कोई गोलमोल बात नहीं होनी चाहिए। हम लोग चाहते हैं कि कमेटी की जो अनुशंसा है, उसे आप स्वीकार करें और इसी सत्र में बिल लाकर उसे लागू कराएं। हम चाहते हैं कि इस पर कोई डिसकशन न हो, क्योंकि इस पर डिसकशन हो चुका है। जिस पार्टी को या एम.पी. को नहीं लेना है, वह न ले।...(व्यवधान)

श्री प्रणब मुखर्जी: मैंने कहा ही है कि बिल लाएंगे, क्योंकि लेजिस्लेशन लाकर ही इसे इम्प्लीमेंट करना पड़ेगा। मैंने यही कहा है कि मैं बिल लाऊंगा, आप बिल पास कर दें तो यह लागू हो जाएगा।...(व्यवधान)

I am sorry, my Hindi is not that good, but from impromptu, I wanted to convey that the recommendations of the Committee are to be implemented by amending the Act of 1954. That is why legislation is necessary.

SHRI LALU PRASAD : We are ready.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: You are ready, but the Government will have to bring the legislation. This cannot be done by a Private Member's Resolution or legislation. The Government will have to bring the legislation. We will bring this legislation. Thank you.

श्री लालू प्रसाद : धन्यवाद प्रणब बाबू, हम तो यही चाहते हैं कि हम लोगों को गोल चक्कर में न डालें इसलिए कमेटी की अनुशंसा स्वीकार करें। We are ready to amend the Act and give it the legality required. This Bill has already been circulated. If you bring the Bill tomorrow, within two minutes, we will clear that.